हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58 E-mail: mails@epch.com
Fax: +91-11-26135518 / 19 Web : www.epch.in

प्रेस विज्ञप्ति

श्री दिलीप बैद ने ईपीसीएच के नई चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाला

"हस्तशिल्प विजन 2030" पर एक परिचर्चा का आयोजन किया

"तीन गुना तीस तक" की गूंज सुनाई दी

जयपुर/नई दिल्ली 01 जून, 2023- श्री दिलीप बैद, उपाध्यक्ष-ईपीसीएच ने आज जयपुर में आयोजित प्रशासन समिति (सीओए) की 183वीं बैठक के दौरान हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। श्री बैद ने श्री राज कुमार मल्होत्रा से कार्यभार ग्रहण किया है। उपरोक्त बैठक के दौरान प्रशासन समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे और श्री दिलीप बैद को ईपीसीएच के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बधाई दी।

श्री दिलीप बैद जयपुर के दिलीप ट्रेडिंग कॉरपोरेशन का प्रतिनिधित्व करते हैं और पिछले तीन दशक से उत्तर क्षेत्र के एक प्रमुख हस्तशिल्प निर्यातक हैं । वे ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य के रूप में लंबे वक्त से हस्तशिल्प निर्यात परिषद से जुड़े हुए हैं । वे सक्रिए रूप से विभिन्न व्यापार निकायों में शामिल रहे हैं और विभिन्न मंचों पर कई व्यापारिक मुद्दों को उठा चुके हैं।

श्री दिलीब बैद ने उन पर भरोसा जताने के लिए ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया है । श्री बैद ने प्रेस और मीडिया से बात की और हस्तशिल्प क्षेत्र को लेकर अपना नजरिया साझा किया । उन्होंने हस्तशिल्प क्षेत्र में उत्पादों के विकास में नए ट्रेंड और डिजाइन में सुधार के साथ ही पैकेजिंग में नयापन, उत्पादन बढ़ाने, ब्रांड निर्माण, गुणवत्ता और स्टैंडर्ड, निरंतर विकास और अनुपालनों के अनुसार उत्पादों को तैयार करने पर जोर दिया ताकि वो दुनिया भर के बाजारों में प्रतिस्पर्धी हों।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने सदस्य निर्यातकों के लिए हस्तशिल्प विजन 2023 पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया जिसका उद्देश्य इसमें भाग लेने वालों को हस्तशिल्प सेक्टर के वर्तमान परिदृष्य को समझने, उत्पादन बढ़ाने और नवाचार को लेकर चुनौतियों और अवसर की पहचान करने, हस्तशिल्प सेक्टर में उभरते ट्रेंड और उचित तकनीक का पता लगाने, बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए रणनीति बनाने, लंबे समय तक चल सकने वाली कार्य प्रणाली और नैतिक रूप से उचित उत्पाद को बढ़ावा देने और सहयोगी नेटवर्किंग साझेदारी स्थापित करने की समझ विकसित करने में मदद करना था।

इस अवसर पर श्री दिलीप बैद, अध्यक्ष ईपीसीएच; श्री राज कुमार मल्होत्रा, तत्काल पूर्व अध्यक्ष - ईपीसीएच; डॉ. राकेश कुमार, डीजी ईपीसीएच; प्रशासन समिति के अन्य सदस्य - ईपीसीएच; श्री तरुण तहिलियानी, फैशन डिजाइनर; सुश्री पूजा रौतेला, निदेशक, मैसर्स फ्लैट वर्ल्ड; श्री टी. के. चक्रवर्ती, प्लांट हेड, मेसर्स सेंट गोबेन ग्लास इंडिया; श्री सुनीत जैन, अध्यक्ष, फोहरेक्स और राजस्थान के प्रमुख निर्यातक उपस्थित थे। इसके अलावा संगोष्ठी को पूरे भारत के सदस्य निर्यातक ने भी ऑनलाइन देखा - श्री आर.के. वर्मा कार्यकारी निदेशक-ईपीसीएच द्वारा सूचित किया गया।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आरके वर्मा ने बताया कि इस मौके पर ईपीसीएच के नए अध्यक्ष श्री दिलीप बैद, तत्काल पूर्व अध्यक्ष श्री राजकुमार मल्होत्रा, ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के अन्य सदस्य, फैशन डिजाइनल श्री तरुण तहिलियानी, फ्लैट वर्ल्ड की निदेशक सुश्री पूजा रौतेला, सेंट गोबेन ग्लास इंडिया के प्लांट हेड श्री टी. के. चक्रवर्ती और राजस्थान के प्रमुख निर्यातक मौजूद थे।

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया कि इस कार्यक्रम ने सभी उद्योग पेशेवरों को डिजाइन के भविष्य का पता लगाने, अनुपालन का पालन करने और विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए एक छत के नीचे ले आया है। उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, हमारा लक्ष्य नए रुझाने समझना, उद्योग के मानकों को पूरा करना और सतत विकास के लिए संचालन को कारगर बनाना है। उन्होंने 2030 के लिए "तीन गुना तीस तक" के रूप में लक्ष्य रखा।

श्री तरुण तहिलियानी, फैशन डिज़ाइनर ने भारतीय आधुनिक कहानी की यात्रा और वर्षों में भारत में डिज़ाइन कैसे विकसित हुआ, इसे साझा किया। पारंपरिक और समकालीन डिजाइन के संयोजन, कारीगर कौशल पर जोर, और डिजिटल परिवर्तन ने क्षेत्र की यात्रा को आकार दिया है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेगा।

श्री टी. के. चक्रवर्ती, प्लांट हेड, मैसर्स सेंट गोबेन ग्लास इंडिया ने अपनी प्रस्तुति में साझा किया कि प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ बने रहने के लिए, हस्तशिल्प व्यवसायों को 3 एम, काइज़न, पोका योक, पीडीसीए जैसे कई और रणनीतियाँ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित सिद्धांतों के माध्यम से अपनी लागत कम करने के तरीकों को लागू करने की आवश्यकता है।

फ्लैट वर्ल्ड की निदेशक सुश्री पूजा रौतेला ने कहा कि हस्तशिल्प सेक्टर में कारीगरों और शिल्पकारों के साथ खरीदारों को जोड़ने में बाइंग एजेंट्स दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं । ये मध्यस्थ पुल की तरह काम करते हैं, हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को सुगम बनाते हैं, और एक सुचारू और कुशल सप्लाई चेन को सुनिश्चित करने का काम करते हैं।

डॉ ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने पिछले 35 वर्षों में हस्तशिल्प की यात्रा के बारे में बात की जहां हम पहुंचे हैं और आने वाले वर्षों में विकास हासिल करने के लिए नई पहल के साथ क्या करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि संगोष्ठी ने भविष्य के सहयोग, पहल और अवसरों के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया है जिससे निर्यातकों, कारीगरों, शिल्पकारों और पूरे हस्तशिल्प उद्योग को लाभ होगा।

श्री राज कुमार मल्होत्रा, तत्काल पूर्व अध्यक्ष - ईपीसीएच ने कहा कि निर्यातकों को अपने व्यवसायों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार अनुपालन, निरीक्षण और परीक्षण के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे सस्टेनेबिलिटी, चीन +1 रणनीति, डिजाइन हस्तक्षेप, कस्टमर सैटिस्फैक्शन और बढ़ते भारतीय खुदरा और ऑनलाइन सेगमेंट में निर्यातकों के लिए अवसरों के बारे में बात की।

इस परिचर्चा में भाग लेने वालों ने डिजाइन, लागत में कमी और मार्केटिंग से जुड़े कई सवाल पूछे । एक्सपर्ट्स ने सभी सवालों को लिया और निर्यातकों को इसका उचित समाधान बताया और सदस्य निर्यातकों के साथ यह परिचर्चा सकारात्मक बातचीत के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और विभिन्न क्राफ्ट क्लस्टर और देशों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज उत्पादों की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्थान है । 2022-23 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात रुपये के संदर्भ में 29426.38 करोड़ और अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में 3583.52 मिलियन का हुआ था ।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर के वर्मा, कार्यकारी निदेशक- ईपीसीएच
+91- 9810697868

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58 E-mail: mails@epch.com
Fax: +91-11-26135518 / 19 Web : www.epch.in

PRESS RELEASE

SHRI DILEEP BAID TAKEN OVER THE CHARGE AS NEW CHAIRMAN OF EPCH

A Symposium on "Handicrafts Vision-2030" organised

"Teen Guna Tees Tak" echoed at the symposium

Jaipur/New Delhi 01st June 2023 - Shri Dileep Baid, Vice-Chairman-EPCH has taken over the charge as new Chairman of Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) during 183rd meeting of Committee of Administration (CoA) held today at Jaipur. Shri Baid has taken charge from Shri Raj Kumar Malhotra. All the Members of Committee of Administration were present during the above meeting and congratulated Shri Dileep Baid for assumption of Office of chairman EPCH.

Shri Dileep Baid, representing M/s Dileep Trading Corporation, Jaipur is a leading handicrafts exporter from Northern region for over three decades. He is associated with Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) for a very long time as member of Committee of Administration - EPCH. He is one of the pioneers of the Handicraft sector. He has launched his own brand named "Ellementry". He is very actively involved in various trade bodies like CII and represented several trade issues on various platform.

Shri Dileep Baid expressed his gratitude to members of Committee of Administration of EPCH and members for their confidence in him. Shri Baid interacted with press and media and shared his vision for Handicraft sector. He emphasised that handicraft sector needs emerging trends and design intervention in product development, packaging innovation, brand building, enhanced productivity, quality and standards, sustainable development, compliances so that products are competitive in global market.

Following on the Council's mandate, Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) organised a Symposium on "Handicrafts Vision-2030" for member exporters which helped participants to understand the current landscape of the handicrafts sector, identifying challenges and opportunities for growth and innovation, exploring emerging trends and technologies relevant to handicrafts sector, develop strategies to improve market competitiveness, encourage sustainable practices & ethical production and establishing collaborative networking partnerships.

On the occasion Shri Dileep Baid, Chairman EPCH; Shri Raj Kumar Malhotra, Immediate Past Chairman – EPCH; Dr. Rakesh Kumar, Director General - EPCH; Other Members of Committee of Administration – EPCH; Shri Tarun Tahiliani, Fashion Designer; Mr. T. K. Chakraborthy, Plant Head, M/s Saint Gobain Glass India; Ms. Puja Rautela, Director, M/s Flat World; Shri Sunit Jain, President, FOHREX and leading exporters from Rajasthan were present. Further the symposium was also witnessed by member exporter from all over India virtually – informed by Shri R. K. Verma Executive Director-EPCH.

Shri Dileep Baid, Chairman EPCH informed that this event has brought all industry professionals under one roof to explore the future of design, adhere to compliances, and enhance manufacturing processes. By leveraging their expertise, we aim to stay ahead of trends, meet industry standards, and streamline operations for sustainable growth. He laid down goal for 2030 as "Teen Guna Tees Tak".

Shri Tarun Tahiliani, Fashion Designer shared Journey to Indian Modern Story and how the design got evolved in India over the years. The fusion of traditional and contemporary design, emphasis on artisanal skills, and digital transformation has shaped the journey of the sector and will continue to do in future as well.

Mr. T. K. Chakraborthy, Plant Head, M/s Saint Gobain Glass India in his presentation shared that in order to remain competitive and sustainable, handicraft businesses need to implement ways to reduce their costs through internationally practised theories like 3 M's Kaizen, Poka Yoke, PDCA and many more such strategies.

Ms. Puja Rautela, Director, M/s Flat World said that in the handicraft sector, buying agents play a crucial role in connecting exporters, artisans and craftsmen with buyers from around the world. These intermediaries act as a bridge, facilitating the procurement of handicraft products and ensuring a smooth and efficient supply chain.

Dr. Rakesh Kumar, Director General - EPCH spoke about the journey of Handicraft over the last 35 years where we have reached and what needs to be done with new initiative to achieve growth in the years ahead. He further added that the symposium has provided a strong foundation for future collaborations, initiatives, and opportunities that will benefit exporters, artisans, craftsmen, and the entire handicraft industry.

Shri Raj Kumar Malhotra, Immediate Past Chairman – EPCH said that exporters needs their businesses to be ready for Compliance, Inspection and Testing according to International Standards. He further spoke about Sustainability, China +1 strategy, design interventions, customer satisfaction and the opportunities for exporters in growing Indian retail and online segment.

Various questions pertaining Design, Cost Reduction and Marketing were asked by the participants. The speakers addressed all the questions and provided solutions to the exporters and concluded with positive interaction with members exporters.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The Handicrafts exports during the year 2022-23 was Rs. 29426.38 Crores and US $ 3583.52 Million, informed Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH.

For more information please contact:
Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH
+91- 9810697868

Hindi & English with Photos Enclosed:

Photo 1: Shri Dileep Baid, Chairman - EPCH has taken over the charge as new Chairman of Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) during meeting of Committee of Administration (CoA) on 01st June, 2023 at Jaipur, Rajasthan.

Photo 2: Shri Dileep Baid, Chairman - EPCH addressing the august gathering along with Shri Raj Kumar Malhotra, Immediate Past Chairman – EPCH; Dr. Rakesh Kumar, Director General - EPCH; Shri Tarun Tahiliani, Fashion Designer; Mr. T. K. Chakraborthy, Plant Head, M/s Saint Gobain Glass India; Ms. Puja Rautela, Director, M/s Flat World during a Symposium on "Handicrafts Vision-2030" held on 01st June, 2023 at Jaipur, Rajasthan.

Photo 3: An overview of august gathering during a Symposium on "Handicrafts Vision-2030" held on 01st June, 2023 at Jaipur, Rajasthan.